International Journal of Hindi Research
www.hindijournal.com
ISSN: 2455-2232
Received: 26-04-2021, Accepted: 11-05-2021, Published: 27-05-2021
Volume 7, Issue 3, 2021, Page No. 67-68

शासकीय योजनाओं का ग्रामीण क्षेत्रों पर प्रभावः एक भौगोलिक अध्ययन

मिथुन कुमार[1], डॉ. ध्रुव कुमार द्विवेदी[2]
[1] शोधार्थी, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश, भारत
[2] प्राचार्य, सरस्वती विज्ञान महाविद्यालय, निराला नगर, रीवा, मध्य प्रदेश, भारत

सारांश
इस प्रकार से शासकीय योजनाओं में जन धन योजना, या जलधारा योजना हो, या बिजली के लिए प्रावधान हो, या सामाजिक सांस्कृतिक एकता से सम्बन्धित योजनाओं का लाभ हो या विवाह योजनाओं को प्रदान करने वाली कन्या निधि राशि हो। मेड़ बधान, पर्यावरण संरक्षण, हाथ करधा उद्योग, मोटर पंप के लिए सहायता राशि, या प्रोत्सहन राशि, छात्रवृत्ति प्रोत्सहन राशि हो, या बच्चों को दलिया प्रदान करने की मुहिम हो, या उन्हें पहनने के लिए कपड़े का प्रोत्सहन हो। इस प्रकार से समाज में अनेक प्रकार की योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

मूलशब्दः मार्गदर्शन, प्रोत्सहन, ऋण, प्राकृतिक, भौगोलिक, टैलेंट सर्च आदि

प्रस्तावना
शासकीय योजनाओं के द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विकास के आयामों की नई झलक दिखाई देती है क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति को कुछ न कुछ सुविधाएँ शासन प्रशासन के द्वारा प्रदान की जाती है। चहें वह गरीब मजदूर हो या अमीर किसी न किसी रूप में उसे शासकीय योजनाओं का लाभ मिलता है। आज समाज में शासकीय योजनाओं को लेकर विशेष सुविधाएँ तो मिली ही है। किन्तु डिजिटलीकरण होने के कारण कुछ बिचौलियों का खेल कुछ हद तक कम हुआ है। इससे उन्हें कुछ सुविधाएँ और बाजारीकरण घूस आदि की समस्याओं को कम किया गया है। इससे समाज में एक जागरूकता और समाज सुधार जैसी अनेक विशेषताओं का स्पष्ट उदाहरण मिलता है। कुछ समस्याएँ प्राचीन काल से रही है। ऐसा लगता है कि कुछ छोटी मोटी समस्याएँ बनी रहेगी। इससे समाज को नुकशान तो उठाना पड़ता है। किन्तु कुछ ही मात्रा में कुछ लोगों को इसका असर तक नहीं पड़ता है। ऐसे भी लोग है जिनका जीवन बहुत ही कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा है। अनेक विभिन्नताओं के परिणाम स्वरूप सामाजिक संगठनों का दबाव किसी भी शासकीय योजनाओं के अन्तर्गत उसे अनेक प्रकार की सुविधाएँ मिलती है। फिर भी शासकीय योजनाओं का लाभ कुछ लोगों के हाथों तक ही सिमट कर रह गया है।

शोध प्रविधि
इस शोध पत्र में प्राथमिक एवं द्वितीयक शोध सामाग्री के आधार पर अध्ययन किया गया है। शासकीय योजनाओं का ग्रामीण क्षेत्रों पर प्रभावः एक भौगोलिक अध्ययन विषय पर शोध पत्र का अध्ययन किया गया है। इसके लिए विद्वानों का मार्गदर्शन, पत्र–पत्रिकाओं आदि के माध्यम से भी अध्ययन किया गया है।

उद्देश्य
शासकीय योजनाओं के द्वारा गरीब–मजदूर परिवार को मिलने वाली प्रोत्सहन राशि का अध्ययन करना।
- उन्हें प्राप्त होने वाली राशि में यह देखना कि उन्हें पूर्ण राशि मिल रहीं कि दलालों द्वारा कमीशन लिया जा रहा है।
- जन जागरूकता का अध्ययन करना।
- शासकीय योजनाओं का ग्रामीण जन समुदाय में पड़ने वाले असर का अध्ययन करना।
- शासकीय योजनाओं के द्वारा उन्हें प्राप्त होने वाले लाभ का अध्ययन करना।
- शासकीय योजनाओं के माध्यम से इन परिवारों के आय के स्रोत में होने वाली बढ़ोत्तर का अध्ययन करना।

समस्या
शासकीय योजनाओं को संचालित करने से जनता को सहयोग मिलेगा। उससे उसकी आवश्यकताओं की पूर्ति बड़े आसानी से होगी। इन्हीं कामनाओं के साथ शासन स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन होता है जिससे समाज में समानता का भाव उत्पन्न हो सके।
इस प्रकार की विभिन्न योजनाओं के आधार पर ग्रामीण जन समुदाय को समुचित लाभ प्रदान कर उनकी समस्याओं का त्वरित निदान करना।
- विभिन्न योजनाओं में समुचित लाभ की कमी।
- शासकीय योजनाओं का पूर्ण लाभ ग्रामीण जनता को न मिल पाना।
- कमीशन खोरी होने के कारण व्यक्ति ऋण लेने में भय।
- समय पर ऋण नहीं उपलब्ध होना।
- ग्रामीण जन जीवन में ऋण चुकाने में पूँजी का अभाव।
- समय पर ऋण न अदा करना।

समाधान
इसके साथ–साथ शासकीय योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में उसे कितना लाभ मिलता है और कितना नुकशान उठाना पड़ता है। यह उसके सिद्धान्तों और व्यवहारों पर निर्भर करता है। इससे व्यक्ति में जनजागरूकता का भाव जाग्रत होगा। इस प्रकार से भौगोलिक अध्ययन इस बात को दर्शाता है कि आज प्राकृतिक संतुलन को लेकर क्या सरकार सजग है। इस पर भी विचार करने की आवश्यकता है। यहीं सामाजिक स्तर पर एक चिन्तन को जन्म देता है।

विभिन्न योजनाएँ
- अटल पेंशन योजना के अन्तर्गत वृद्धों को पेंशन की व्यवस्था।
- अन्त्योदय अन्न योजना।

- आधार कार्ड योजना।
- आयुष्मान भारत योजना जिसमें सभी नागरिकों को निःशुल्क चिकित्सा व्यवस्था।
- इंदिरा गांधी मातृत्व सहयोग योजना के अन्तर्गत माताओं को सुविधाएँ।
- उजाला योजना इसमें बिजली प्रदाय करने की गारण्टी प्रदान की जाती है।
- उदय योजना।
- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजनाओं के अन्तर्गत जो युवा वैज्ञानिक है उन्हें प्रोत्सहन राशि प्रदान कर राष्ट्र के विकास में योगदान के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
- जननी सुरक्षा योजना में प्रसव पीड़ित महिला को अस्पताल तक निःशुल्क पहुँचाना।
- जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण योजनाओं का संचालन।
- जूनियर साईस टैलेंट सर्च परीक्षा में ऐसे विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना।
- बैंकों में डिजिटल लॉकर योजनाओं के अन्तर्गत जन समुदाय को पैसे, सोना, चॉदी आदि को रखने के लिए डिजिटल लॉकर की व्यवस्था की गई थी।
- पं. दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना।
- दोपहर में भोजन योजना के अन्तर्गत उन असहाय मजदूर या यात्री को धर्मशालाओं या किसी भी चिन्हित शासकीय स्थान या निजी संस्थानों में भोजन की व्यवस्था की जाती है।
- निर्मल भारत अभियान के अन्तर्गत सम्पूर्ण नागरिकों को स्वच्छता के अन्तर्गत सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना एवं जल प्रदाय की व्यवस्था करना।
- प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत बिजली प्रदाय किया जाना।
- प्रधान मंत्री आवास योजना के अन्तर्गत ग्रामीण इलाके में एक लाख बीस हजार रूपये प्रदाय किया जाता है एवं शहरी क्षेत्रों के लिए दो लाख पचास हजार रूपये प्रदान की जाती है।
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अन्तर्गत गरीब असहाय मजदूर लोगों को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार हेतु प्रोत्साहित करना।
- प्रधानमंत्री जन–धन योनजा के अन्तर्गत सभी लोगों को बैंक खाता खोलवाना उन्हें कुछ सहायता राशि प्रदान करना।

निष्कर्ष

इस प्रकार से शासकीय योजनाओं का कारगर और सफल संचालन प्रशासन के द्वारा किया जा रहा है। इसके साथ–साथ आवागमन के संसाधनों के कारण व्यक्ति के विकास के अनेक मार्ग समुचित होने के कारण किसी भी कच्चे या पक्के माल को लेजाने और ले आने में सहायता मिलती है। नगरीय केन्द्रों की अपेक्षा ग्रामीण केन्द्रों में नागरिकों को अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कुछ व्यापारी अपने निजी साधनों से कोशों दूर होते हैं।

सन्दर्भ सूची

1. मौर्य, एस. डी. 'अधिवास भूगोल' शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, सन् 2015, पृष्ठ 80 से 85 तक .
2. श्रीवास्तव, वीरेन्द्र कुमार एवं दीक्षित रामस्वरूप, विपणन भूगोल, गोरखपुर, पृष्ठ 93
3. सिंह. रविन्द्र, परिवहन एवं विपणन भूगोल, प्रबालिका पब्लिकेशन्स, दिल्ली, पृष्ठ 50–55
4. बंसल, सुरेशचन्द्र, 1998, ग्रामीण बस्ती भूगोल, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ, पृष्ठ 20
5. सक्सेना, एच.एम., विपणन भूगोल, पृष्ठ 58 योजनाओं हेतु शासकीय पुस्तिका का अध्ययन किया गया।